फरीदाबाद
मजदूर समाचार
हर जगह, सब से, जब भी समय मिले

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें—
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद - 121001

नई सीरीज नम्बर 321 1/— मार्च 2015

उद्योग विहार, गुड़गाँव में 12 फरवरी

✶ कापसहेड़ा बार्डर, दिल्ली पर वस्तुतः दो हजार एकड़ पर स्थित उद्योग विहार फेज-1, फेज-2, फेज-3, फेज-4, फेज-5 में हजारों औद्योगिक प्लॉटों में फैक्ट्रियों की भरमार के संग-संग आई.टी.-बी.पी.ओ. कार्यस्थलों की उल्लेखनीय सँख्या हो गई है। दिल्ली-गुड़गाँव-फरीदाबाद में रहते लाखों वरकर उद्योग विहार में काम करते हैं।

12 फरवरी को एक फैक्ट्री से दूसरी फैक्ट्री होते हुये, एक दर्जन-दो दर्जन फैक्ट्रियों के मजदूरों में हलचलें तीव्र हुई। बड़ी सँख्या में सक्रिय स्त्री और पुरुष मजदूरों के सम्मुख उद्योग विहार थाने की पुलिस तटस्थ हो गई। जल्दी से गुड़गाँव में अन्य स्थानों से 500 का पुलिस बल पहुँचा। दस-बीस हजार मजदूरों को देख यह 500 पुलिसवाले भी तटस्थ हो गये। शीघ्र ही विशेष पुलिस बल के 1500 उद्योग विहार पहुँचे। अति शीघ्र झज्जर-मेवात-फरीदाबाद जिलों से 500 पुलिसवाले उद्योग विहार भेजे गये।

12 फरवरी को दोपहर उद्योग विहार एक युद्ध-क्षेत्र बना था। कम्पनियाँ-सरकार एक तरफ और मजदूर दूसरी तरफ थे। डायरेक्टर और मैनेजर फैक्ट्रियाँ छोड़ कर भागे। फैक्ट्रियों की इमारतें और फैक्ट्रियों में मशीनें निशाना बनी। मर्सडीज कारें, 100 कारें भी क्षतिग्रस्त हुई। ढाई हजार पुलिस बल ने उद्योग विहार में कर्फ्यु जैसी स्थिति स्थापित की। कोई गिरफ्तार नहीं हुई, कोई गिरफ्तार नहीं हुआ। साँय तक उद्योग विहार में सब सामान्य।

— साहबों ने इसे गुड़गाँव में उद्योगों को बदनाम करने का षडयन्त्र कहा।

— पुलिस कमिश्नर ने इसे पूर्व नियोजित दँगा कहा और उद्योग विहार के बाहर से आये 200 लोगों की करतूत बताया। पकड़ने और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

— सब फैक्ट्रियों को उद्योग विहार से उठा कर ऐसे स्थान पर ले जाने का प्रस्ताव दिया गया जहाँ मजदूरों पर नियन्त्रण हो।

— दँगे में शामिल सब को, दस हजार-बीस हजार मजदूरों को, नौकरी से निकालने और पकड़ में आने वालों को कठोर सजा का, लम्बे समय तक जेल में रखने का सुझाव दिया गया।

— तटस्थ रहने, निकम्मी साबित होने के लिये सब से पहले पुलिस को सजा देने की बात उठी।

— टारगेट बनी सब फैक्ट्रियों में सब सी सी टी वी कैमरे और रिकार्डर तोड़े पाये गये। इन कैमरों के जरिये पहचानने और गिरफ्तारियाँ करने की पुलिस की योजना धरी की धरी रह गई।

— कई जगह ऐसा हो सकता है कहते हुये किसी चतुर ने इसे कैमरों के नाकारा होने का सबूत बताते हुये 15 हजार लगाने चाहे डेढ लाख कैमरे लगाने को फिजूल की कसरत कहा। अन्य किसी चतुर ने फैक्ट्रियों में लगे सी सी टी वी कैमरों और रिकार्डरों के कनेक्शन फैक्ट्रियों में साहबों के केबिनों के अलावा कम्पनी डायरेक्टरों के घरों में भी लगाने का सुझाव दिया ताकि ऐसी स्थितियों से बचा जा सके।

उपरोक्त बातें हिन्दुस्तान टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया, द हिन्दु , इंडियन एक्सप्रेस, दैनिक जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत टाइम्स, दैनिक भास्कर, हिन्दुस्तान से ली हैं।

✶ 24 फरवरी को हम मजदूर समाचार को ले कर उद्योग विहार पहुँचे। स्त्री और पुरुष मजदूरों के चेहरे चमक रहे थे, दमक रहे थे। बहुत वरकर खुशी से हम से मिले और काफी बातचीतें की। मजदूर समाचार की 2700 प्रतियाँ कम पड़ गई। हमें दिल्ली में ओखला औद्योगिक क्षेत्र में 22 फरवरी 2013 का दिन याद आया। सरिता विहार-ओखला रेलवे क्रासिंग पर 22 फरवरी 2013 को मजदूर समाचार लेते समय आशा और उत्साह से भरे मजदूर चहक रहे थे, मुस्कुरा रहे थे, हँस रहे थे...... 21 फरवरी को ओखला फेज-1, फेज-2, फेज-3 में फैक्ट्रियाँ धड़ाधड़ बन्द हुई थी, आठ-दस हजार स्त्री और पुरुष मजदूरों की भीड़ ने हँसी-खुशी में फैक्ट्रियों तथा कारों की कुटाई-पिटाई की थी।

इधर 24 फरवरी को उद्योग विहार में हुई बातचीतों में से कुछ यह हैं :

— 10 फरवरी को गौरव इन्टरनेशनल में एच. आर. मैनेजर, सेक्युरिटी अफसर व अन्य द्वारा मजदूर से मारपीट जैसी बातें तो होती ही रहती हैं। हिंसा तो फैक्ट्रियों में आम बात है, बिना हिंसा के कोई भी फैक्ट्री चल ही नहीं सकती।

— उद्योग विहार में 12 फरवरी को जो हुआ वैसा, उस से बहुत ज्यादा, कभी भी हो सकता है। चारों तरफ, हर जगह सूखा बारूद है। कभी भी और कुछ भी चिंगारी की भूमिका अपना सकते हैं।

— न्यूनतम वेतन 8100 रुपये कह कर सरकार मुकरी और 7400 पर भी महीनों से टालमटोल ने आग में घी का काम किया।

— साहब लोग हिल गये हैं पर 12 फरवरी वाली हलचलें ज्यादा फैक्ट्रियों तक नहीं फैली इसलिये असर कम पड़ा है। उद्योग विहार फेज-1, फेज-2, फेज-3, फेज-4, फेज-5 के मजदूरों में हलचलें बढेंगी तब देखना असर।

इन चार-पाँच वर्षों में ही, दिल्ली के इर्द-गिर्द के औद्योगिक क्षेत्रों में ही, मजदूर समाचार में ही आ चुके फैक्ट्री मजदूरों के डायरेक्टरों व मैनेजरों, पुलिस, फैक्ट्रियों (शेष पृष्ठ तीन पर)

कुछ सामान्य-रुटीन बातचीत

स्टुडस हैल्मेट मजदूर : ''20/7 माइलस्टोन, मेन मथुरा रोड़ (सैक्टर-59), फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में 600 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में 10 लाख से ज्यादा हैल्मेट बनाते हैं, 35 देशों को निर्यात भी होता है। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। स्थाई मजदूर एक भी नहीं है, 6 महीने वाले 300 कैजुअल वरकर और 300 को दो ठेकेदारों के जरिये रखते हैं। स्टाफ में 100 लोग। चिन स्ट्रैप विभाग में सुपरवाइजर-मैनेजर चिल्लाते हैं, गाली देते हैं। इस पर कई बार मजदूरों ने आधा-एक घण्टा काम बन्द किया है। कुछ समय रुक कर फिर वही चिल्लाना, गाली देना। इधर 1 फरवरी को सुबह 9 बजे की शिफ्ट में चिन स्ट्रैप विभाग में कार्य करते 36 में से 30 मजदूर फैक्ट्ररी के अन्दर नहीं गये। फिर रात 9 बजे आरम्भ होने वाली शिफ्ट में भी 36 में से 30-31 मजदूर फैक्ट्री के अन्दर नहीं गये। मैनेजमेन्ट में हड़बड़ी मच गई। कई स्थानों पर हैल्मेट असेम्बली का काम रुक गया। फिर 2 फरवरी को भी इन मजदूरों ने ऐसा ही किया और फिर 3 फरवरी को ...... नई भर्ती से समस्या हल नहीं हुई। यह करने वाले सब मजदूर ठेकेदार के जरिये रखे गये थे — ठेकेदार ने कसरत कर मजदूरों को राजी किया।''

डेन्सो हरियाणा श्रमिक : ''प्लॉट 3 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में उत्पादन में 400 स्थाई मजदूर और दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 1100 मजदूर काम करते हैं। ठेकेदारों के जरिये रखों को रविवार को साप्ताहिक अवकाश के अतिरिक्त माह में 2 शनिवार को छुट्टी पर 8200 रुपये देते हैं। यहाँ ***मारुति सुजुकी, टोयोटा*** आदि वाहनों के इंजन ई सी यू, फ्युअल पम्प, इन्जेक्टर आदि बनते हैं। डेन्सो में 4 महिला और 31 पुरुष गार्ड ***वाच डॉग सेक्युरिटी*** के जरिये रखे हैं। महिला गार्ड को साप्ताहिक अवकाश और तनखा 11,000 रुपये। पुरुष गार्ड को साप्ताहिक अवकाश नहीं, त्यौहारी छुट्टी नहीं, वर्ष के 365 दिन ड्युटी, ओवर टाइम के कोई पैसे नहीं। रोज 8 घण्टे पर 30-31 दिन के पुरुष गार्ड को 9200 रुपये देते हैं पर पे-स्लिप में 26 दिन ड्युटी पर 8200 रुपये तनखा दिखाते हैं। पुरुष गार्ड द्वारा रविवार को छुट्टी करने पर 500 रुपये काट लेते हैं।''

कन्टेन्ट्रा टैक्नोलॉजी वरकर : ''प्लॉट डी-103 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित पब्लिशिंग कम्पनी में दो मंजिल पर 8-10 विभागों में 500 स्त्री व पुरुष कम्प्युटर ऑपरेटर काम करते हैं। कुछ विभागों में 2 और कुछ में 3 शिफ्ट हैं। काम बारहों महीने, डाटा कनवर्शन, पत्रिका, अखबार का काम। प्रोजेक्ट लाइन भी चलते हैं, आज काम आता है और हो कर कल चला जाता है। सब काम अंग्रेजी में — जापान से, स्कॉटलैण्ड से, जिनेवा-स्वीटजरलैण्ड से काम आता है। क्लायन्ट से पेमेन्ट आती रहती हैं। चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर अरविन्दम् चौधरी, आई आई पी एम वाले हैं और डायरेक्टर सौरभ चटर्जी हैं। यहाँ तनखा की कोई तारीख नहीं है. ...... अप्रैल, मई, जून, सितम्बर, अक्टूबर, दिसम्बर 2014 की तनखायें आज 8 फरवरी तक नहीं दी हैं — कहा है कि दिसम्बर 2014 की तनखा 11 फरवरी को देंगे। ज्यादातर कम्प्युटर ऑपरेटरों की तनखा 10,000 रुपये। तीन-चार महीने पहले दो-तीन बार एक-एक, दो-दो दिन काम बन्द किया तब आश्वासन मिले.... घरवाले बोलते हैं कि झूठ बोलते हो कि तनखायें नहीं मिली हैं! बहुत कोर्ट केस हैं कम्पनी और अरविन्दम् चौधरी पर — कम्पनी में एक विभाग तो केस हैण्डल करने के लिये है। दूर-दूर तक कुख्यात इस कम्पनी का 2012 तक नाम ***प्लानमैन*** था।''

निओलाइट कामगार : ''प्लॉट 396 उद्योग विहार फेज-2, गुड़गाँव स्थित फैक्ट्री में 250 वरकर वाहनों की लाइट बनाते हैं। दो मिनट देरी से पहुँचने पर आधा घण्टा काट लेते हैं। किसी भी कारण से छुट्टी करने पर अगले दिन गेट पर खड़ा कर देते हैं। ओवर टाइम के आधे पैसे काट कर उन्हें तनखा में जोड़ कर दिखाते हैं। ओवर टाइम के घण्टों में गड़बड़ भी करते हैं। एक दिन जूते नहीं पहन कर जाने पर 50 रुपये काट लेते हैं। बारहों महीने मजदूर छोड़ते-लगते रहते हैं।''

ओरियन्ट इलेक्ट्रिक मजदूर : '' प्लॉट 11 सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में बेसमेन्ट में नई लाइन दिसम्बर-मध्य से चालू होने के बाद पँखा असेम्बली की 7 लाइनें हो गई हैं। टी-ब्रेक और लंच-ब्रेक के समय को बढाने-घटाने पर मैनेजमेन्ट और मजदूरों के बीच लगातार खींचातान चलती है। सुबह 8½ वाली शिफ्ट में ओवर टाइम लगता है तब 45 मिनट का लंच-ब्रेक कर मजदूर 5½ बजे काम आरम्भ करते। बेसमेन्ट में नई लाइन पर नये मजदूर और ओवर टाइम लगने पर मैनेजमेन्ट ने उन्हें 45 मिनट का लंच-ब्रेक नहीं दिया। एतराज। और फिर, साहबों ने 9 फरवरी को 6 असेम्बली लाइनों पर ओवर टाइम की कहते हुये 45 मिनट वाला ब्रेक नहीं होगा कहा। एतराज पर साहब बोले कि करना है तो करो अन्यथा जाओ। मजदूर नहीं रुके। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से है पर लंच-ब्रेक के 45 मिनट के लिये मजदूरों ने ओवर टाइम करने से इनकार जारी रखा। दबाव डालने के लिये कुछ का कार्ड पंच भी रोका पर कम्पनी की दाल नहीं गली। ओवर टाइम के समय मजदूरों द्वारा 45 मिनट लंच-ब्रेक लेते रहने को मैनेजमेन्ट को मानना पड़ा है।''

इण्डो ब्रिटिश गारमेन्ट्स श्रमिक : ''प्लॉट 23 सैक्टर-24 फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में सुबह साढे आठ से साँय पौने पाँच की शिफ्ट। मजदूरों से 11 फरवरी को कम्पनी ने शिफ्ट को सवा पाँच तक करने पर राय देने के लिये पर्चियाँ दी। सब स्त्री व पुरुष मजदूरों ने क्रास लगा कर मना कर दिया। तब मैनेजमेन्ट ने टी-ब्रेक जारी रखना है तो शिफ्ट सवा पाँच तक और बिना टी-ब्रेक के 5 बजे तक पर हस्ताक्षर करने के लिये एक-एक करके मजदूरों को बुलाना आरम्भ किया.......''

मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक ऑटोमोटिव वरकर : '' प्लॉट 167-170 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 100 स्थाई मजदूर, 150 ट्रेनी, और 5 ठेकेदारों के जरिये रखे 600 मजदूर ***मारुति सुजुकी, सोना, होण्डा, निसान*** के लिये पावर स्टीयरिंग मोटर, सैन्सर आदि बनाते हैं। सब मजदूर आई. टी. आई. किये हैं। कम्पनी बहुत दुभान्त करती है। स्थाई की तनखा 25-30 हजार रुपये, ट्रेनी की कट-पिट कर 10,500 और ठेकेदारों के जरिये रखों की 8500 रुपये। ट्रेनी को 1 वर्ष में ब्रेक। ठेकेदारों के जरिये रखों को 6-8-10 महीनों में ब्रेक। स्थाई व ट्रेनी को बस लेकिन ठेकेदारों के जरिये रखों को बस नहीं। स्थाई व ट्रेनी को सेफ्टी शूज परन्तु ठेकेदारों के जरिये रखों को सेफ्टी शूज नहीं देते।''

सेक्युरिटी गार्ड : '' दिल्ली-फरीदाबाद बार्डर पर बदरपुर टोल पर दोनों तरफ गार्ड, सफाई कर्मचारी, माली, मैकेनिक आदि 400 बन्दे ***अपोलो सेक्युरिटी*** के जरिये रखे हैं। गार्डों की 12-12 घण्टे की 2 शिफ्ट, महीने के तीसों दिन ड्युटी पर ई. एस. आई. व पी. एफ. राशि काट कर 7600 रुपये देते हैं, महीने की 15 तारीख को। ई.एस.आई. कार्ड नहीं देते, छोड़ने पर फण्ड के पैसे गार्ड को नहीं मिलते। और, 7600 में से भी कभी-कभी 2000 रुपये काट लेते हैं।''

नीव इम्पैक्स वरकर : ''एस सी एफ 20/21 डी एल एफ फेज-1, फरीदाबाद में 100 सिलाई मशीनें हैं पर अभी 20 मजदूर ही काम कर रहे हैं। ई.एस.आई. व पी.एफ. किसी वरकर की नहीं हैं। हैल्पर की तनखा 5000 रुपये और टेलर की 6000-7500 रुपये। सुबह 9 से रात 8½ तक काम, ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से भी कम, 31 से भाग करके देते हैं। बीमार होने पर निकाल देते हैं और किये काम के पैसों के लिये टालमटोल करते हैं।'' **(शेष पृष्ठ तीन पर)**

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर सेंटर रूल्स 1956 के अनुसार स्वामित्व व अन्य विवरण का ब्यौरा फार्म नं. 4 (रूल नं. 8)

फरीदाबाद मजदूर समाचार

1. प्रकाशन का स्थान	मजदूर लाइब्रेरी आटोपिन झुग्गी, फरीदाबाद—121001
2. प्रकाशन अवधि	मासिक
3. मुद्रक का नाम	शेर सिंह (क्या भारत का नागरिक है? हाँ)
4. प्रकाशक का नाम	शेर सिंह (क्या भारत का नागरिक है? हाँ)
5. संपादक का नाम	शेर सिंह (क्या भारत का नागरिक है? हाँ)

6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार हों। केवल शेर सिंह

मैं, शेर सिंह, एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनाँक 1 मार्च 2015 हस्ताक्षर शेर सिंह प्रकाशक

बात लेने की है

कम्पनियों द्वारा सार्वजनिक किये जाते बही-खातों की जाँच-पड़ताल का एक परिणाम यह है : फैक्ट्री में काम करती-करता प्रत्येक मजदूर एक महीने में अठारह से बीस लाख रुपये का उत्पादन करता-करती है। और, दिल्ली के इर्द-गिर्द के क्षेत्रों में फैक्ट्री मजदूरों की तनखायें पाँच हजार से पचास हजार रुपये के दायरे में हैं। हम जो उत्पादन करते हैं उसका अठानवे-निन्यानवे प्रतिशत कहाँ जाता है? उसका क्या होता है?

सरकारें न्यूनतम वेतन निर्धारित करती हैं। सरकारों के कानूनों के अनुसार जो तय की है उससे कम तनखा कम्पनियाँ नहीं दे सकती। लेकिन जहाँ देने वाली बात रहती है वहाँ निर्धारित न्यूनतम से कम तनखा देते हैं। और, जहाँ लेने वाली बात रहती है वहाँ हम फैक्ट्री मजदूरों को तीस-चालीस-पचास हजार रुपये तनखा लेते देखते हैं। इसलिये बात निर्धारित न्यूनतम वेतन से अधिक लेने की है। जो है उससे ज्यादा के लिये विचार करते और कदम उठाते समय यह ध्यान में रखना बनता है कि एक फैक्ट्री मजदूर आज एक महीने में बीस लाख रुपये का प्रोडक्शन करती-करता है।

उद्योग विहार 12 फरवरी...*(पृष्ठ एक का शेष)*

से टकराव-भिड़न्त के विवरण वाले कुछ नाम और स्थान यह हैं: *ए जी इन्डस्ट्रीज, कॉनसेप्ट क्लोथिंग, नपीनो ऑटो एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स, सीजन एग्जिम, लखानी वरदान समूह, एडिगियर इन्टरनेशनल, मारुति सुजुकी मानेसर, साकेत फैब्रिकेशन, सीनियर फ्लैक्सोनिक्स, थीम एक्सपोर्ट, हरसोरिया हैल्थ केयर, ऋचा एण्ड कम्पनी, ईस्टर्न मेडिकिट, माया एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन, भिवाड़ी में जैकुवार एण्ड कम्पनी, वीयरवेल, ओरियन्ट क्राफ्ट सैक्टर-37, जे एन एस, पथरेड़ी (अलवर) में श्रीराम पिस्टन एण्ड रिंग, सैक्टर-18 में ओरियन्ट क्राफ्ट और आस पास, बैक्सटर, जय उशिन, नोएडा, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, पृथला-बघौला औद्योगिक क्षेत्र, मुंजाल किरियु, इण्डो ऑटोटेक, नोरदर्न कॉम्पलैक्स।*

कैजुअल वरकरों, ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों, अप्रेन्टिस, ट्रेनी, स्थाई मजदूरों की साहब-पुलिस-फैक्ट्री से इन भिड़न्तों का अर्थ क्या है? स्त्री और पुरुष मजदूरों द्वारा मिल कर किये जा रहे एक फैक्ट्री में, फैक्ट्रियों के समूह में, औद्योगिक क्षेत्र व्यापी आक्रमणों का मतलब क्या है?

मैनेजर, इमारत, मशीन, पुलिस तो प्रतीक हैं। हमारे विचार से, फैक्ट्री मजदूरों की यह बढती सक्रियता ऊँच-नीच को, गैर-बराबरी को चुनौती की एक अभिव्यक्ति है। इस सन्दर्भ में, फैक्ट्रियों पर से मैनेजमेन्टों के कब्जे ढीले करना, कब्जे हटाना ऊँच-नीच को, गैर-बराबरी को चुनौती की दूसरी अभिव्यक्ति है। इस प्रकार की तीसरी अभिव्यक्ति-तीसरी धारा का जिक्र मजदूर समाचार के जून 2014 अंक में है (सऊदी अरब में तीसरी धारा)। ऐसी धाराओं के बल में इधर तेजी से वृद्धि हो रही है। कोई भी मजदूर हो ही क्यों? ऐसे प्रश्न वर्तमान को चुनौती हैं। और, बढती सँख्या की सक्रियता वाली मिलजुल कर होती गतिविधियाँ चुनौती के संग-संग नई रचना के आकार भी उभार रही हैं।■

हरियाणा सरकार

1 नवम्बर 2014 से अकुशल श्रमिक के लिये निर्धारित 7400 रुपये न्यूनतम वेतन के बारे में हरियाणा की नई सरकार न तो हाँ कह रही है और न ही नहीं कह रही। टालमटोल में जुटी सरकार ने 28 जनवरी को एटक, बी एम एस, सीटू, इन्टक, एच एम एस यूनियनों के 5 लीडरों और कम्पनियों के पाँच प्रतिनिधियों के साथ हरियाणा राज्य न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड की मीटिंग की। फिर, महीने से ऊपर हो जाने के बाद भी हरियाणा सरकार ने न्यूनतम वेतन के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। पर हाँ, 1 जनवरी 2015 से महँगाई भत्ता 173 रुपये 25 पैसे बढने की बात सरकार ने अखबारों में छपवाई है।

इस सन्दर्भ में कुछ पते :

1. मुख्य मन्त्री,चौथी मंजिल, हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ
   फोन नं. 0172-2749396 (ऑफिस), 0172-2740877 (निवास)
2. श्रम मन्त्री, पाँचवीं मंजिल, हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ
   फोन नं. 0172-2740212
3. श्रम सचिव, कमरा नं. 530, पाँचवीं मंजिल, नया हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ फोन नं. 0172-2713832
4. श्रम आयुक्त, 30 बेज बिल्डिंग, पहली मंजिल, सैक्टर-17, चण्डीगढ फोन नं. 0172-2701373, 2701266 (फैक्स)

कुछ सामान्य-रुटीन बातचीत.... *(पृष्ठ दो का शेष)*

विक्टर सिस्टम मजदूर : "प्लॉट बी 86 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में मजदूरों को ठेकेदार के जरिये रखा है। तनखा 4500 रुपये। पी.एफ. नहीं है।"

एन्जेल इन्डस्ट्रीज श्रमिक : "प्लॉट 15 सैक्टर-25, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में तनखा देरी से, 22-23 तारीख को और जनवरी में किये ओवर टाइम का भुगतान मार्च में। मैनेजर ने एक मजदूर को निकाला तो साथ काम करते 5 ने कहा कि कौन सी पक्की नौकरी है, इसे निकाल रहे हो तो हमारा भी हिसाब दो, आज ही दो। मैनेजर से धक्का-मुक्की। साँय को सब के पैसे दे दिये अन्यथा लटका देते हैं। और, श्रम विभाग जाना मानी रोडमास्टर बनना।"

निमंत्रण

मार्च में 29 तारीख वाले रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

Ph. 0129-6567014

E-mail < baatein1@yahoo.co.uk >

- ✶ *अपने अनुभव व विचार मजदूर समाचार में छपवा कर चर्चाओं को और बढवाइये। नाम नहीं बताये जाते और अपनी बातें छपवाने के कोई पैसे नहीं लगते।*
- ✶ *बाँटने वाले फ्री में यह करते हैं। सड़क पर मजदूर समाचार लेते समय इच्छा हो तो बेझिझक पैसे दें।*
- ✶ *महीने में एक बार छापते हैं, 13,000 प्रतियाँ निशुल्क बाँटने का प्रयास करते हैं। चर्चाओं के लिए समय निकालें।*

वजीरपुर मजदूर

दिल्ली के कुछ युवा मित्र कुछ समय से वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में वरकरों से घुल-मिल रहे हैं। इधर इन मित्रों ने ''वजीरपुर मजदूर'' का प्रकाशन आरम्भ किया है। बहुत-बहुत स्वागत है।

फरवरी में प्रकाशित ''वजीरपुर मजदूर'' के पहले अंक में युवा मित्रों की अपनी बातों के साथ-साथ गार्ड से फैक्ट्री मजदूर बना से माल ढोने वाला ठेले वाला बना, ठण्डा रोला मजदूर, पैकेजिंग वरकर, गरम रोला मजदूर से बातचीतों पर आधारित रिपोर्टें हैं। गरम रोला मजदूर कहता है कि उसका हड़ताल-वड़ताल से कोई लेना-देना नहीं है, मानी, यूनियन लीडरों के धरना-प्रदर्शन-हड़ताल में वह अपने लिये कुछ नहीं पाता। तनखा बढवाने जैसी बातों के लिये गरम रोला मजदूर समय और स्थिति पर तीखी नजर रखते हैं। जब काम की तेजी हो, गरम रोल किया ज्यादा माल सप्लाई करना हो तब एक बैच के मजदूर मिल कर छुट्टी कर लेते हैं। स्टील रोलिंग मिल डायरेक्टर फोन पर फोन करता है तब कह देते हैं कि ज्यादा तनखा वाली जगह काम पकड़ लिया है। भारी नुकसान से बचने के लिये तब डायरेक्टर तनखा बढा कर उस बैच के मजदूरों को काम करने बुलाता है। रियायतें प्राप्त करने-प्रेशर घटाने के लिये कब और कैसा दबाव कारगर होगा यह पहचानना तथा कदम उठाना मजदूरों की दिनचर्या है।

बहुत स्वागत योग्य

बीस मजदूरों का एक समूह ओखला, नोएडा, फरीदाबाद से सम्बन्ध रखता है। इस मजदूर समूह ने अन्य फैक्ट्रियों के मजदूरों से सम्बन्ध बढाने की योजना बनाई है। ओखला, नोएडा, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्रियों के मजदूरों से नियमित चर्चायें करना और इन बातों को प्रकाशित करवा कर फैलाने का तय किया है। इसे करने के लिये बीस मजदूरों के इस समूह ने तीन-तीन, चार-चार वाली अपनी टोलियाँ बनाई हैं। मजदूरों के इस सामुहिक प्रयास की दूसरी किस्त मजदूर समाचार में प्रकाशित करते हुये हम आनन्द का अनुभव कर रहे हैं। हम आशा करते हैं कि कम्पनी-मैनेजमेन्ट क्या-क्या करती हैं की बजाय मजदूर क्या-क्या करते हैं वाली बातें इन साथियों से हमें मिलेंगी।

✶ प्लॉट सी-54/2 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में तीन नाम से, जे. जे. एक्सपोर्ट-रामा टेक-न्यू डिजाइन हाई फैशन, 60 मजदूर काम करते हैं। सिलाई कारीगरों की तनखा 9000 रुपये थी। दिवाली पर टेलरों ने आपस में सलाह की। चार दिन कई प्रकार की बातें रही, तब मैनेजर ने 1000 रुपये बढाने की कही। तब से टेलर की तनखा 10,000 रुपये है। ड्युटी सुबह 9½ से रात 8½ तक और नाइट लगती है तब रात 1 बजे तक। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। पता नहीं किस हिसाब से पी.एफ. की राशि किसी की तनखा से 710 और किसी की से 753 रुपये काटते हैं। बोनस 6000 रुपये पर हस्ताक्षर करवाते हैं पर देते 2500 रुपये ही हैं।

✶ प्लॉट सी-32 सैक्टर-65, नोएडा स्थित रेडियर एक्सपोर्ट फैक्ट्री में 300 मजदूर काम करते हैं जिन में 150 ठेकेदारों के जरिये रखे हैं। टेलर की तनखा 7000 रुपये और 6 महीने बाद निकाल देते हैं। बोनस नहीं देते।

✶ प्लॉट 85 डी एल एफ इन्डस्ट्रीयल एस्टेट फेज-1, फरीदाबाद स्थित बिजली उपकरण बनाने वाली माइक्रो फैक्ट्री में सुबह 8½ से रात 8 की शिफ्ट है। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से।

✶ प्लॉट डी-58 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित निर्मल इम्ब्राइड्री फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। हैल्परों को 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 6500 रुपये। कारीगरों को 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 9000 रुपये। तनखा देरी से, 15 से 20 तारीख को। तीस कारीगर और 13 हैल्पर हैं, ई.एस.आई. व पी.एफ. एक की भी नहीं हैं। मास्टर का बर्ताव खराब है।

✶ डी एस आई डी सी शैड नं. 88 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित आर्क एडवरटाइजिंग एड्स प्रिटिंग प्रैस है। यहाँ हैल्पर की तनखा 6000 रुपये, ई. एस. आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।

✶ प्लॉट डी-50 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित लोहा फैक्ट्री में शीट मैटल का काम है और मजदूरों को 5 साल बाद जूते दिये हैं। लोहे की चादरें कटती हैं, गर्दा बहुत उड़ता है, दिखावे के लिये कभी-कभार 10-20 मास्क ले आते हैं, मजदूर मास्क माँगते हैं तो सुपरवाइजर कहता है कि नहीं हैं, कहाँ से दूँ। पचास में 12-13 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. है। तनखा 6000-7000 रुपये, नई भर्ती पर 5500 रुपये। तनखा का कोई समय नहीं, 17-18 तारीख हो जाती है। पानी टैंकर से आता है और कभी-कभी तो मुँह धोने के लिये भी नहीं रहता। सुपरवाइजर काम के लिये पीछे पड़ा रहता है पर पानी के लिये कहो तो कहता है कि पानी नहीं है, कहाँ से लाऊँ।

दिल्ली सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2014 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 8632 रुपये मासिक (8 घण्टे के 332 रुपये)
अर्ध-कुशल श्रमिक 9542 रुपये मासिक (8 घण्टे के 367 रुपये)
कुशल श्रमिक 10,478 रुपये मासिक (8 घण्टे के 403 रुपये)
स्नातक और अधिक 11,414 रुपये मासिक (8 घण्टे के 439 रुपये)

इस सन्दर्भ में कुछ पते :

1. मुख्य मन्त्री, ग्राउंड फ्लोर, दिल्ली सचिवालय, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली– 110002 फोन नं. 23392012, 23392201 23392020
2. श्रम मंत्री दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली– 110002
3. श्रम आयुक्त दिल्ली सरकार, 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली–110054 फोन नं. 23951115, 23962823 (फैक्स)
4. दक्षिण दिल्ली के लिये – जिला श्रम कार्यालय, कमरा नं. 122–123, ए विंग, पहली मंजिल, पुष्पा भवन, पुष्प विहार, नई दिल्ली। फोन नं. 29957550, इमेल < labdlcs.delhi @nic.in>
5. दक्षिण पश्चिम दिल्ली के लिये – डिस्ट्रीक्ट इम्पलॉयमेन्ट एक्सचेन्ज बिल्डिंग, किर्बी प्लेस, नई दिल्ली – 110010 फोन नं. 25686232, 25682755, इमेल < labdlcsw.delhi @nic.in>
6. पश्चिम दिल्ली के लिये – लेबर वैलफेयर सेन्टर, करमपुरा, नई दिल्ली। फोन नं. 25100467, 25412680 इमेल < labdlcw.delhi @nic.in>
7. उत्त्तर पश्चिम दिल्ली के लिये –लेबर वैलफेयर सेन्टर, निमड़ी कालोनी, दिल्ली–110052 फोन नं. 27308082, 27303622 इमेल < labdlcnnw.delhi @nic.in>
8. उत्तर दिल्ली के लिये पता व इमेल उत्तर पश्चिम दिल्ली वाले ही, और फोन नं. 27425892
9. सेन्ट्रल दिल्ली के लिये –इम्पलॉयमेन्ट एक्सचेन्ज बिल्डिंग, पूसा रोड़, नई दिल्ली– 110001 फोन नं. 25873957, 25846245, 25840037, इमेल < labdlcc.delhi @nic.in>
10. नई दिल्ली के लिये – दिल्ली इम्पलॉयमेन्ट एक्सचेन्ज बिल्डिंग, पहली मंजिल, के बी मार्ग, नई दिल्ली – 110001 फोन नं. 23383740 इमेल < labdlcnd.delhi @nic.in>
11. उत्तर पूर्व दिल्ली के लिये – लेबर वैलफेयर सेन्टर, विश्वकर्मा नगर, शाहदरा, दिल्ली फोन नं. 22151001, 22145486 इमेल < labdlcnee.delhi @nic.in>
12. पूर्वी दिल्ली के लिये पता तथा इमेल उत्तर पूर्व दिल्ली वाले ही हैं, और फोन नं. है 22151001

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी–551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।